Department of Commerce
B.Com – Final Year
Management Accounting

By:-
Prem Kumar

Preperation of Cash Flow Statement (रोकड़ प्रवाह विवरण की तैयारी):–

Accounting Standard-3 के अनुसार Cash Flow Statement को एक निश्चित व्यवस्था के आधार पर तैयार किया जाता है। सर्वप्रथम इसके लिए आवश्यक सूचनाओं को एकत्र किया जाता है जिनके मुख्य स्रोत निम्न है:–

(i) Balance Sheet – जिस अवधि का Cash Flow Statement तैयार करना है, उस अवधि के प्रारंभ और अन्त का Balance Sheet प्राप्त करना होता है जिसमें Assets एवं Liabilities की सूचनाएँ उपलब्ध होती है।

(ii) Income Statement:– जिस अवधि का Cash Flow Statement तैयार करना है, उस अवधि का Income Statement प्राप्त करना होता है, यह सामान्यतः Trading And Profit & Loss A/c के रूप में होता है। इससे Depreciation, Non-cash Items और Non-Operating Items की जानकारी प्राप्त होती है।

(iii) अतिरिक्त सूचनाएँ (Additional Informations):– इसमें लाभांश वितरण (Dividend Distribution) स्थायी सम्पत्तियों का क्रय-विक्रय (Purchase and Sale of Fixed Assets), कर का भुगतान (Payment of Taxes) इत्यादि की सूचनाएँ एकत्रित होती है।

Classification of Cash Flows (रोकड़ प्रवाहों का वर्गीकरण):–

Accounting Standard-3 के अन्तर्गत Cash Flow Statement का जो प्रारूप निर्धारित किया गया है, उसके अनुसार

Scanned with CamScanner

Cash Flows (रोकड़ प्रवाहों) को अग्रलिखित तीन वर्गों में विभाजित करके दिखाना चाहिए: —

(i) Cash Flows From Operating Activities: — (परिचालन क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह): —

Operating Activities से आशय उन क्रियाओं से है जो व्यावसायिक संगठन की Revenue (आगम) उत्पन्न करने वाली मुख्य क्रियाएँ होती हैं।

Operating Activities से Cash Flow की गणना के लिए लाभ-हानि खाता (Profit & Loss A/C) द्वारा दिखाए गए Revenue (आगम) और Expenses (व्ययों) को Cash में वास्तविक प्राप्तियों एवं भुगतानों में बदलना होता है। इसके लिए अर्जित आगमों और किए गए व्ययों से गैर-रोकड़ आगमों (Non-Cash Revenue) और गैर-रोकड़ व्ययों (Non-Cash Expenses) को हटाना होता है। इस दृष्टि से दो रीतियाँ (Methods) हैं - (a) Direct Method (प्रत्यक्ष रीति)
(b) InDirect Method (अप्रत्यक्ष रीति)

(ii) Cash Flow From Investing Activities (विनियोजन क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह): —

Investing Activities से आशय दीर्घकालीन सम्पत्तियों एवं रोकड़ तुल्य (Cash Equivalents) में शामिल न होने वाले Investment के क्रय-विक्रय (प्राप्ति एवं निस्तारण) से है। इनका अलग से प्रकटीकरण इसीलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि ये Cash Flow की उस सीमा का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिनके अन्तर्गत भविष्य की आय तथा रोकड़ प्रवाह

Scanned with CamScanner

को उत्पन्न करने के लिए व्यय किए गए हैं: —

(iii) Cash Flow From Financing Activities: — (वित्तीय क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह)

Financing Activities से आशय उन क्रियाओं से है जो उपक्रम को पूँजी एवं ऋण प्रदान करने वाले रोकड़ प्रवाहों से संबंधित है। इस वर्ग में निम्न को शामिल किया जाता है —

(a) समता या पूर्वाधिकार अंशों के निर्गमन से प्राप्त रोकड़
(b) ऋण-पत्रों, बाण्डों अथवा अन्य अल्प या दीर्घकालीन ऋणों से प्राप्त रोकड़
(c) उधार ली गई राशियों का पुनर्भुगतान
(d) पूर्वाधिकार अंशों का शोधन (Redemption)
(e) अंशों पर लाभांश का भुगतान
(f) ऋण-पत्रों अथवा ऋणों पर ब्याज का भुगतान।

Note: — (i) यदि अंश प्रीमियम (Premium) पर निर्गमित हो तो प्राप्त राशि में प्रीमियम (Premium) सहित राशि दिखाई जाएगी। इसी प्रकार यदि अंश या ऋण-पत्र बट्टे (Discount) पर निर्गमित हो तो बट्टा (Discount) काटकर प्राप्त शुद्ध राशि दिखायी जाएगी।

(ii) बोनस अंशों के निर्गमन को नहीं दिखाया जाता, क्योंकि उनके निर्गमन से रोकड़ (Cash) की प्राप्ति नहीं होती है।

Scanned with CamScanner